ऐमिटी दर्पण

दिसम्बर -जनवरी अंक

विशेष आकर्षण

- बच्चों के लेख
- स्वरचित कविताएँ
- प्रेरक कहानियाँ
- यात्रा वृतांत
- पुस्तक समीक्षा
- रोचक तथ्य (त्योहार)
- फिल्म समीक्षा
- चित्रशाला
- विशेष प्रार्थना सभाएँ
- उपलब्धियाँ

"एक सफल और असफल मनुष्य के बीच में न तो योग्यता का अंतर है और न ही ज्ञान का, बल्कि अंतर है तो दृढ संकल्प का। "

"सपने किसी जादू के माध्यम से वास्तविकता में नहीं बदलते ; बल्कि पसीने, दृढ़ संकल्प और कठोर परिश्रम से वास्तविक बनते हैं ।"

प्यारे बच्चों

जो लोग हकीकत में अपनी जिंदगी में सफल होना चाहते हैं, उन्हें कभी मेहनत करने से कतराना नहीं चाहिए, क्योंकि मेहनत ही इंसान को उसके लक्ष्य को हासिल करने में मद्द करती है। जो व्यक्ति प्लानिंग के साथ मेहनत करते हैं, वे अपनी जिंदगी में निश्चय ही सफलता हासिल करते हैं, क्योंकि किसी महान व्यक्ति ने कहा है कि सफलता का कोई भी शॉर्टकट नहीं होता और इसके लिए कड़ी मेहनत की जरुरत पड़ती है।

हमारे सम्मानित संस्थापक अध्यक्ष सर, डॉ. अशोक के. चौहान द्वारा प्रदान किया गया 'भाग' का अनूठा सूत्र हमारे छात्रों को समग्र विकास के लिए प्रेरित करता है। ऐमिटी अपने छात्रों को वैश्विक नागरिक के रूप में विश्व मानचित्र पर अपना स्थान बनाने के लिए तैयार करता है क्योंकि यह परंपरा के साथ आधुनिकता के मिश्रण के अपने आदर्श वाक्य पर कायम है। ऐमिटी ने कई इन-हाउस पहलों और विनिमय कार्यक्रमों के माध्यम से समग्र शिक्षा के लिए स्कूल पाठ्यक्रम का विस्तार किया है। ऐमिटी के अनूठे कार्यक्रम लीक से हटकर सोचने, नवाचार करने, कड़ी मेहनत की आदत विकसित करने और समाज और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील होने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। ऐमिटियन निश्चित रूप से एक मजबूत कार्य नीति और मूल्य प्रणाली के साथ दुनिया में अपनी छाप छोड़ेंगे।

हम अपने छात्रों को समृद्ध भविष्य बनाने के लिए सर्वोत्तम शिक्षा, सुरक्षित वातावरण और कौशल प्रदान करने का प्रयास करते हैं। अतः आप सभी इसका लाभ उठा कर अपने जीवन की सफलता सुनिश्चित करें।

सभी विद्यार्थियों को आगामी परीक्षाओं के लिए शुभकामनाएँ!

सुश्री मीनू कंवर

प्रधानाचार्य

EDITORIAL TEAM

संपादक- पूनम त्यागी

संयोजक - श्रद्धा श्रीवास्तव एवं स्मिता श्रीवास्तव

सह -संयोजक -दीपक कुमार

सांस्कृतिक कार्यक्रम 2024-2025

ऐमिटी इंटरनेशनल स्कूल, मयूर विहार में 16 दिसंबर, 23 को सांस्कृतिक कार्यक्रम (Cultural Premiere), 2024-2025 का आयोजन हुआ जिसमें IV- XI तक की कक्षाओं ने भाग लिया ।

स्कूल की गतिविधियों का उद्घाटन समारोह एक महत्त्वपूर्ण अवसर था, जिसमें छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को विभिन्न समृद्ध पाठ्येत्तर गतिविधियों की शुरुआत का जश्न मनाने के लिए एक साथ लाया गया। समारोह की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन और सम्मानित प्रिंसिपल श्रीमती मीनू कंवर के गर्म्जोशी से स्वागत के साथ हुई, जिसमें समग्र छात्र विकास में पाठ्येतर भागीदारी के महत्व पर जोर दिया गया।

संस्कृत समाचार पत्र के विमोचन से शुरुआत करते हुए, अभिभावकों ने हमारी संस्कृति की परंपराओं और रीतिरिवाजों को जीवित रखने के लिए स्कूल के प्रयासों की सराहना की। इसके बाद सम्मानित प्रिंसिपल, फैकल्टी और अभिभावकों द्वारा पानी बचाने की शपथ ली गई ताकि एसडीजी लक्ष्यों में बताए अनुसार पानी का बुद्धिमानी से उपयोग किया जा सके।

इस कार्यक्रम में मेटावर्स, बीआईएस, क्रिसेंडो , सृजन, सप्तक, क्रॉस फायर, मुद्रा, विंसेंट, इंटरैक्ट क्लब, लाइफ स्किल्स जैसे दस सोसाइटियों

के बैज का वितरण किया गया, जो प्रत्येक समाज के भीतर नेतृत्व और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। सत्र 2024-2025 के लिए सोसायटियों के नवनिर्वाचित अध्यक्ष और उपाध्यक्ष ने सभा को अपनी पिछली उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी और अपनी सोसायटियों के नवनिर्वाचित सदस्यों का परिचय दिया।

प्रत्येक सोसाइटियों के प्रतिनिधियों ने अपने लक्ष्यों, गतिविधियों और स्कूल समुदाय के भीतर पैदा किए जाने वाले सकारात्मक प्रभाव का पर कार्यक्रम

प्रस्तुत किया। कार्यक्रम समन्वयक सुश्री सुनीता चोपड़ा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। यह समारोह सहयोगात्मक सामाजिक गतिविधियों के आगामी वर्ष के लिए उत्साह के माहौल के साथ संपन्न हुआ।

यात्रा वृत्तांत :

वह समय था जब मेरी वार्षिक परीक्षाएँ समाप्त ही हुई थी, कि मेरे पिताजी ने यह विचार किया कि मुझे थोड़े विश्राम की आवश्यकता है। उनहोंने अपना फैसला सुनाया कि हम सभी को गौआ की ओर प्रस्थान करना चाहिए। मैं उनके इस फैसले से प्रसन्नता से फूली ना समा रही थी। उसी शाम हमने पैकिंग शुरू कर दी। मेरे पिताजी हवाईजहाज की टिकट बुक कर चुके थे। हमने अगले ही दिन दिल्ली से गोआ तक की उड़ान भरी, फिर गोआ एअरपोर्ट से अपना सामान लेकर हम उत्तरी गोआ की दिशा में गए।

वहाँ हमने एक आलीशान- होटल में चेक-इन किया। थोड़ा विश्राम करने के बाद हम होटल से कूज़ की पंक्ति में खड़े हो गए। वहाँ हमने मंडोवी नदी पर कूज़ का मजा उठाया। वहाँ की छत से नदी का नजारा बहुत ही खूबसूरत एवं अतुलनीय था। कूज़ पर अनेक प्रकार के नृत्य हुए थे, उनमें से सबसे खास नृत्य गोआ का सांस्कृत्कि नृत्य था जिसे देखने में मुझ बहुत आनंद आया। उसके बाद हमने एक रेस्टारेंट में जाकर खाना खाया। अगले दिन, एक स्वस्थ एवं स्वादिष्ट भोजन ग्रहण करके हम एक पास के समुद्र तट पर पहुँचे | उस तट का नाम कैंडोलिम बीच था। वहाँ हम घंटो बैठ कर पानी के साथ खेलते रहे और मज़े करते गए।

वहाँ से निकास के बाद हम अपने होटल वापिस पहुँच गए। फिर हम अपने होटल के स्वीमिंग पूल में गए और हमने तैरना शुरु कर दिया। वहाँ हमें कुछ और भी लोग मिले और हम उनके साथ पानी में ही गेंद एवं फ़्रिस्बी के साथ खेलने लग गए। हम काफी थक चुके थे, इसलिए हम भोजन खा कर जल्दी से सो गए। अगले दिन, फिरसे खाना खा कर हम दक्षिन गोआ की ओर चल दिए। वहाँ एक फाईव-स्टार रिसोर्ट में चेक-इन करके एक और समुद्र के तट चले गए। हमारे रिसोर्ट का नाम नोवोटेल था और हमारे बीच का नाम डोना बीच था। डोना बीच और कैंडोलिम बीच में काफ़ी अंतर था। डोना बीच पर बहुत शांति थी ।

वहाँ बहुत कीड़े एवं केकडे थे। में कैकड़ो के डर से वहाँ ज्यादा आनंद न ले पाई । वहाँ से जाने के बाद हम उस रिसोर्ट के स्वीमिंग पूल गए और अगले कुछ घंटो तक तैरते रहे। जब हमें भूख लगी तो हमने समुद्र के किनारे कैंडल लाइट डिनर किया। अगले दिन भोजन करके, हम रिसोर्ट में चले गए, जहाँ हमने बहुत ज्यादा खेला। वहाँ हमने टेबल-टेनिस और वीडियो गेम्स भी खेले। फिर हम वहाँ से चेक-आउट करके पुराने गोआ चले गए। वहाँ हम एक प्रसिद्ध चर्च गए। फिर हम अपने एअरपोर्ट चले गए और वहाँ से दिल्ली। रास्ते में, मैंने ऊपर से कई अद्भूत नजारे देखे। मैंने अपनी इस यात्रा का बहुत आनंद लिया ।मैंने घर जाकर अपने अभिभावकों को इस अद्भुत यात्रा के लिए धन्यवाद किया ।

लक्षिता अनेजा

यात्रा वृत्तांत : हमारी गर्मियों की छुट्टियाँ

मेरी गर्मियों की छुट्टी के लिए पिछले साल, मैं लद्दाख गई थी। हम पहले मनाली गए और वहाँ एक दिन रुके । अगले दिन जिस्पा में रुके। वहाँ रहने के बाद हम लेह गए। लद्दाख अनोखे और प्रकृति के अनमोल खजाने से भरपूर है। हम हॉल ऑफ फेम, शांति स्तूप, खारदुंग ला, दिस्कित गोम्पा और मैगनैटिक हिल गए थे। हमने वहाँ सियाचिन ग्लेशियर भी देखा। हम वहाँ ३ दिन रुके। फिर हम नुब्रा घाटी गए। वहाँ हमने ऊंट की सवारी की। हम वहाँ एक दिन के लिए रुके। अगले दिन पौंगोंग झील गए। वहाँ का मौसम अच्छा था। वहाँ बर्फ भी पड रही थी। पर हमारे आते वक्त एक भूस्खलन हो गया। हम वहाँ बहुत देर तक रुके रहे। लेकिन हम ठीक समय पर पहुँच गए।

सिद्धि द्विवेदी 7C

मुझे वहाँ बहुत मज़ा आया। वहाँ की यादें मेरे मन में अभी भी ताज़ा है। मैं वहाँ दोबारा अवश्य जाऊँगी।

सफलता की नई कहानी

एक खूबसूरत और रहस्यमय जंगल में एक छोटे लड़के आर्यन का वर्णन है। एक दिन ,आर्यन अपने गाँव से निकलकर जंगल की ओर चला गया। उसने सुना था कि जंगल में ऐसे राक्षस हैं जो इंसानों को चुनौती देते हैं ,लेकिन उसने इस बात पर ध्यान नहीं दिया। आर्यन ने गहरे जंगल में चलने और सुंदर फूलों से भरे रास्ते पर खो जाने का फैसला किया। वह काफी देर तक चलता रहा और धीरे-धीरे उसका ध्यान भटक गया। न जाने कैसे ,उसने खुद को एक अनजान जगह पर पाया। जंगल के अंधेरे में आर्यन को एहसास हुआ कि उससे गलती हो गयी है. वह यह समझने की कोशिश करने लगा कि वह अपने गांव वापस कैसे लौट सकता है। सूरज की किरणें जंगल की छाया में छिप गईं और आर्यन एक ऊँचे पेड़ की ओर बढ़ गया। वहां से उसे जंगल का पूरा दृश्य तो दिख रहा था ,लेकिन यहां से बाहर निकलने का उसे सही रास्ता नजर नहीं आ रहा था. धीरे-धीरे ,आर्यन ने अपनी शक्ति का उपयोग करने का निर्णय लिया और जंगल के रास्तों का पता लगाने के लिए अपनी अद्वितीय बुद्धि का उपयोग करना शुरू कर दिया। उन्होंने अपनी दिशा तय कर ली और धीरे-धीरे सही रास्ते पर चलने लगे। चहचहाते पक्षियों और हरियाली से भरे जंगल की यात्रा सुखद लग रही थी ,लेकिन आर्यन ने हमें सिखाया कि अगर आप सही दिशा में आगे बढ़ते हैं ,तो आप किसी भी कठिनाई को पार कर सकते हैं। जंगल से निकलकर अपने गांव की ओर लौटकर उन्होंने सफलता की नई कहानी लिखी।

लावण्या 7C

राम मंदिर निर्माण

चिरकालिक थी यह प्रतीक्षा ,
सबके मन में थी यह इच्छा।
राम लला अयोध्याआएं ,
आकर सबके भाग जगाएं ।।

संत मोदी की लीला न्यारी,
शांति से की सब तैयारी।
रामलला को अयोध्या लाए,
बच्चे बूढ़े सब हर्षाए।।
भव्य मंदिर का हुआ निर्माण,
उसमें बसे हैं देश के प्राण ।

प्राण प्रतिष्ठा का दिन आया ,
बस राम नाम ही सबको भाया ।।
भीगे नैना मन से आकुल ,
राम के दर्शन को सब व्याकुल।
बजा बजा के ढोल नगाड़े ,
रामलाल की आरती उतारें।।

खुशियां छाई हैं सब ओर
राम राज्य से हुए विभोर।
मन ही मन सब करें प्रार्थना
प्रभु थामे रखना मेरी डोर।।

पूनम त्यागी, हिंदी विभाग

हिंदी कविता

हाय ! ये परीक्षा
सुबह शाम जपो प्रभु का नाम,
आ रही परीक्षा है राम
रटते - रटते हो जाती शाम,
फिर होती है सिर में जाम
प्रश्न-पत्र में देख सवाल,
हो जाता है दिल बेहाल ।
परीक्षा तो हो गई पूरी,
पास की आस हो रही अधूरी ।
दिन है आज परीक्षाफल का,
काश हो जाए मन मेरा हलका'
हो गई पास दूर हुई चिंता,
अब देखूंगी संता- बता ।

दिआ शर्मा 7-C

प्रदूषण मुक्त होगा भारत

धुआँ है आसमान में, ज़हर है हवा में,
प्रदूषण का जाल फैला है अब हर नगर में।
पेड़ कट रहे हैं, जंगल जल रहे हैं,
नदियाँ सूख रही हैं, जीव-जन्तु मर रहे हैं।
दमा है बच्चों को, साँस फूलती है बूढ़ों की,
प्रदूषण का कहर है, ना समझेगा कोई।
आ जाओ सब मिलकर, कर लो वचन सच्चा,
प्रदूषण को मिटाएंगे, हरियाली लाएंगे।
पौधे लगाएँगे, पेड़ नहीं काटेंगे,
नदियों को स्वच्छ रखेंगे, गंदगी नहीं फैलाएंगे।

दिव्या 9-B

पुस्तक समीक्षा- 'द एलकेमिस्ट'

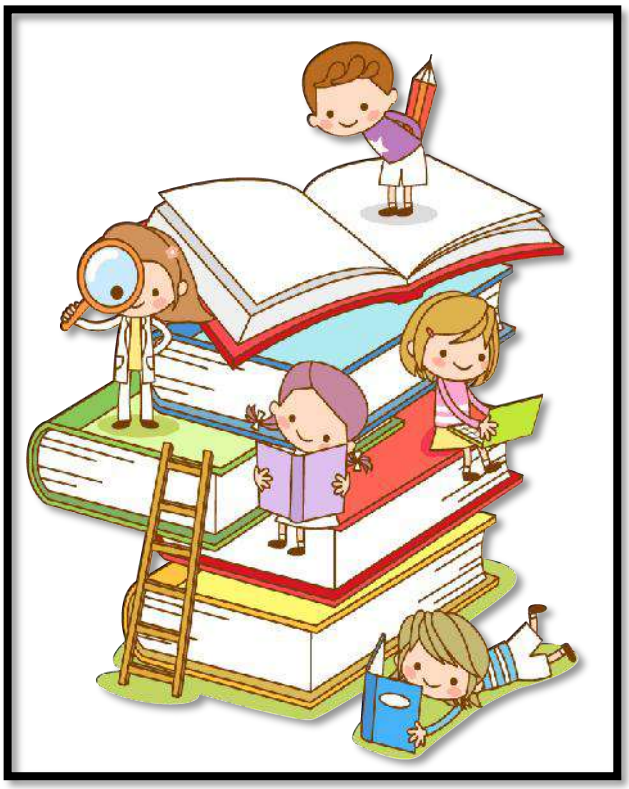

'द एलकेमिस्ट' मेरी सबसे प्रिय पुस्तकों में से एक हैं क्योंकि यह आपको मनोरंजन प्रदान करने के साथ-ही-साथ जीवन के कई महत्त्वपूर्ण शिक्षा भी देता हैं। पाठक को यह किताब ठीक उन परिस्थितियों से परिचित कराता हैं जिनका उन्हें अपने जीवन मार्ग पर चलते-चलते सामना करना ही होगा और यही कारण हैं कि यह पुस्तक सभी आयु-वर्गों के लिए श्रेष्ठ माना जाता हैं क्योंकि सब इसमें अपनी रुचि के अनुसार कुछ पाते ही हैं तथा हर उम्र के व्यक्ति को यह कुछ-न-कुछ नया सिखाता ही हैं, चाहे वह बालकों एवं युवाओं के लिए 'सेंटियागो' नामक एक चरवाहे के रोमांच भरे जीवन में उचित निर्णय लेने का महत्त्व ही हो या वृद्ध व्यक्तियों के लिए एक प्रेरणा की अगर अपने जीवन-लक्ष्य को लेकर उन्हें थोरा भी संदेह हो तो उम्र की लिहाज़ न करके उन्हें आखरी दम तक प्रयास करते रहना चाहिए। यह पुस्तक 'सेंटियागो' के जीवन यात्रा पर आधारित हैं और कैसे उसका जीवन एक साधारण चरवाहे के जीवन से संपूर्ण रूप से बदल गया और वह अपने जीवन के लक्ष्य को पाने के लिए डटा रहा। उसके जीवन-मार्ग में आने वाली कठिनायों से उसका अडिग मनोबल के साथ लड़ना सभी को प्रेरित करता हैं। इस पुस्तक के लेखक 'पालो कोएलो' को इस रचना के कारण संपूर्ण विश्व में प्रसिद्धि मिली और उन्हें 'द एलकेमिस्ट' के लिए कई पुरस्कारों से अलंकृत किया गया। 'द एलकेमिस्ट' ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रियता पाई तथा इसका अनुवाद विश्व के ८० भाषाओं में हुआ जिसमें हिंदी भी शामिल हैं। मार्गदर्शक गुणों के होने के साथ इस पुस्तक में 'सेंटियागो' के इजिप्ट में खज़ाने की खोज की अद्भुत रोमांच भरी कहानी भी हैं जिसमें वह ठोकर खाते-खाते अंततः कहानी में एक असाधारण मोड़ के बाद वह अपने जीवन के लक्ष्य तक पहुँच जाता हैं। प्रतिदिन के दिनचर्या में लिए गए निर्णयो का हमारे जीवन पर प्रभाव के पीछे छुपे रहस्य को जानने के लिए मैं हर व्यक्ति को इस पुस्तक को पढ़ने का सुझाव दूंगा।

श्रेयान संयाल 9– D

फि ल्म स मी क्षा

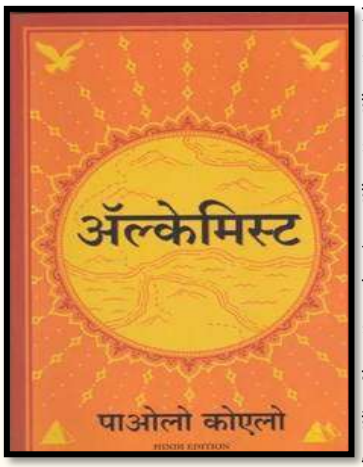

डेड पोएट्स सोसायटी - फ़िल्म का संक्षिप्त सारांश “डेड पोएट्स सोसाइटी” 1989 में निर्देशक पीटर वियर द्वारा शूट की गई एक फिल्म है। डेड पोएट्स सोसाइटी" की शुरुआत 1950 के दौरान प्रसिद्ध वेल्टन अकादमी में होती है। कहानी एक नए अंग्रेजी शिक्षक, जॉन कीटिंग के आगमन के साथ शुरू होती है, जो एक प्रेरणादायकव्यक्ति थे। कीटिंग की असाधारण शिक्षण विधियों में, अपने छात्रों को कविता अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना शामिल है। उनके सपनों का पीछा करें। वह अपने छात्रों को, व्यक्तित्व को अपनाने और कविता के माध्यम से दिन का आनंद लेने के लिए प्रेरित करते हैं। यह फिल्म नील, टॉड, चार्ली और अन्य छात्रों पर केंद्रित है । ये छात्र “डेड पोएट्स सोसाइटी” नाम का एक गुप्त समूह बनाते हैं , जो कविता की खोज करने और उन पर थोपी गई सख्त शैक्षणिक अपेक्षाओं को चुनौती देने के लिए समर्पित है। जैसे-जैसे छात्र कविता की दुनिया में उतरते हैं, वे खुद को अपने शिक्षक के मंत्र "कार्पे डियम" जिसका मतलब है दिन के सभी अवसरों का लाभ उठाना, से प्रेरित पाते हैं । एक छात्र, नील, अपने पिता की इच्छा के विरुद्ध अभिनय के जुनून का पीछा करते हुई गुप्त रूप से स्कूल थिएटर में शामिल हो जाता है। जब नील के सख्त पिता को इसके बारे में पता चलता है,तो डेड पोएट्स सोसाइटी टूट जाती है और चीजें बुरी घटनाओं का मुण ले लेती हैं। अशांति के लिए कीटिंग को दोषी ठहराते हुए, स्कूल प्रशासन शिक्षक को इस्तीफा देने के लिए मजबूर करता है। अंत में, शेष छात्र एकता और समर्थन दिखाते हुए अपने शिक्षक के लिए खड़े होते हैं। "डेड पोएट्स सोसाइटी" लोगों को चुनौतियों का सामना करते हुए भी, जीवन में मिलने वाले अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करती है। फिल्म बताती है कि अपने विश्वासों के प्रति सच्चे रहना और अपने सपनों का पीछा करना एक पूर्ण और सार्थक जीवन के लिए महत्वपूर्ण है।

□□□□□□□ □□□□ (9D)

रोचक तथ्य -लोहड़ी , मकर संक्रांति और पोंगल त्योहार

लोहड़ी का त्योहार नई फसल की खुशी और अगली बुवाई की तैयारी से पहले धूमधाम से मनाया जाता है. इस दिन फसल की पूजा भी की जाती है. चूंकि लोहड़ी के समय ठंड का मौसम होता है, इसलिए आग जलाने का चलन है और इस आग में तिल, मूंगफली, मक्का आदि से बनी चीजों को अर्पित किया जाता है.

पौष मास में जिस दिन सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है उस दिन मकर संक्रांति पर्व मनाया जाता है। वर्तमान शताब्दी में यह त्योहार जनवरी माह के चौदहवें या पन्द्रहवें दिन ही पड़ता है, इस दिन सूर्य धनु राशि को छोड़ मकर राशि में प्रवेश करता है। इस दौरान जब सूर्य देव पहली बार अपने बेटे शनि देव से मिलने गए थे. उस समय शनि देव ने पिता को काला तिल भेंट किया था और साथ ही उसी तिल से उनकी पूजा भी की थी. जिससे पिता सूर्य प्रसन्न हो गए. सूर्य ने बेटे शनि को आशीर्वाद दिया कि जब वे उनके घर मकर राशि में आएंगे, तो उनका घर धन से भर जाएगा.

मकर संक्रांति के दिन पवित्र नदी गंगा में स्नान करने से जीवन में आने वाली सभी बाधाएं दूर हो जाती हैं। हिंदू मान्यताओं के अनुसार इस विशेष दिन पर ही गंगा मैया का धरती पर आगमन हुआ था। साथ ही इसी दिन से सूर्य देव उत्तरायण हो जाते हैं।

सूर्य के उत्तरायण होने पर दक्षिण भारत में पोंगल का त्योहार मनाया जाता है। पोंगल दक्षिण भारत के सबसे प्रमुख त्योहारों में से एक है। ये मुख्य रूप से तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और केरल में मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन तमिल नववर्ष का आरंभ भी होता है।

पहला दिन पोंगल के पहले दिन इंद्र देव की पूजा की जाती है। इस दिन वर्षा के लिए भगवान इंद्र का आभार प्रकट करते हुए जीवन सुख और समृद्धि की कामना की जाती है। **दूसरे दिन** सूर्य देवता की पूजा की जाती है। इस दिन सूर्य के उत्तरायण होने के बाद सूर्य देव का आभार प्रकट किया जाता है। एक विशेष खीर बनाई जाती है, जिसे पोंगल खीर कहा जाता है। दूसरे दिन को सूर्य पोंगल के तौर पर मनाया जाता है।**तीसरा दिन** इस पर्व में तीसरे दिन पशुओं की पूजा होती है। इसे मट्टू पोंगल के नाम से जाना जाता है। इसमें लोग मट्टू यानी बैल की विशेष रूप से पूजा करते हैं। अपने पशुओं का आभार व्यक्त करने के लिए इस दिन गाय और बैलों को सजाया जाता है और उनकी पूजा की जाती है। साथ ही इस दिन बैलों की दौड़ का भी आयोजन किया जाता है, जिसे जलीकट्टू कहते हैं**चौथा दिन** पोंगल पर्व का आखरी दिन होता है। इस दिन को कन्या पोंगल के रूप में मनाया जाता है। इस दिन घरों को फूलों और पत्तों से सजाया जाता है। आंगन और घर के मुख्य द्वार पर रंगोली बनाई जाती है। कन्या पूजन कर लोग एक-दूसरे को पोंगल की बधाईयां देते हैं और जीवन में सुख-समृद्धि की कामना करते हैं।

पूनम त्यागी, हिंदी विभाग

रचनात्मक एवं कलात्मक अभिव्यक्ति

अमोघ सेठी , 7-A

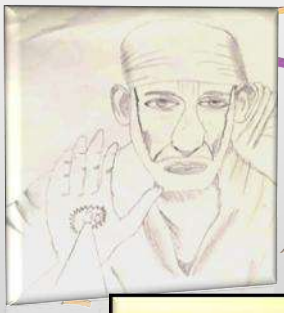

कार्तिक 7 C

ख्याति गर्ग ,7-C

विद्यार्थी जीवन

विद्यार्थी जीवन में अनुशासन सबसे महत्वपूर्ण होता है और शिक्षकों की बातें सुनना ,समय का सदुपयोग करना और उसे बर्बाद ना करना | अच्छे विद्यार्थी अपना हर काम समय पर काम पूरा करते हैं। डर ,गुस्सा, और आलस्य ; इन में कभी नहीं होता। सबका विद्यार्थी जीवन अलग अलग होता है जैसे कई प्रकार के विद्यार्थी होते हैं जो भविष्य में आगे बढ़ने के लिए पढ़ाई करते हैं, माता-पिता का नाम रोशन करने के लिए और उनके सपने पूरे करने के लिए मेहनत करते हैं | वही दूसरी तरफ कुछ इस प्रकार के विद्यार्थी भी होते हैं जो केवल स्कूल में मौज़ मस्ती करने के लिए और दोस्तों के साथ खेलने के लिए जाते हैं । केवल परीक्षा में अव्वल आने से कोई विद्यार्थी विद्यार्थी आदर्श नहीं हो जाता बल्कि सामान्य विद्यार्थी भी आदर्श विद्यार्थी बन सकता है। अच्छे विद्यार्थी में जिज्ञासा और श्रद्धा-आवश्यक गुण है।अच्छे विद्यार्थी के अंदर दूसरों की सहायता का गुण होना चाहिए। विद्यार्थी के जीवन में समय बहुत ही मूल्यवान हैऔर समझदार विद्यार्थी हमेशा समय का सदुपयोग करता है |

पलक कुमारी 8 - A

धनंजय मोहन- एटीएल इनोवेशन फेस्ट- 2023

2 दिसंबर 2023 एआईएस नोएडा में इंटर-स्कूल वार्षिक एटीएल इनोवेशन फेस्ट यानी धनंजय मोहन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुश्री सीमा वत्स (मोती लाल नेहरू कॉलेज में प्रोफेसर), सुश्री एकता सोनी (एमिटी चिल्ड्रेन साइंस फाउंडेशन की उप प्राचार्य), सुश्री शालिनी (उप प्राचार्य) और एमिटी विश्वविद्यालय के विभिन्न अनुभवी प्रोफेसर उपस्थित थे। कुल 5 इवेंट थे जिनके नाम थे- बिज़-टीन टाइकून, टेकसिनर्जी, प्रोजेक्ट डिस्प्ले, एंटरप्रेन्योरशिप अनफोल्ड और ई-पेपर प्रेजेंटेशन। इन 5 आयोजनों में से, हमारे छात्रों ने "प्रोजेक्ट डिस्प्ले" और "टेकसिनर्जी- अत्याधुनिक रोबोटिक्स के साथ अग्रणी सामाजिक परिवर्तन" नामक 2 आयोजनों में पुरस्कार जीते थे। दोनों स्पर्धाओं में दूसरा पुरस्कार जीता ।

प्रोजेक्ट 1 - ऊर्जा और स्थिरता" (सोलर वायरलेस EV चार्जिंग)

अनुत्तम दास और अथर्व कला 11 C

प्रोजेक्ट 2-ग्रह का स्वास्थ्य और स्थिरता

अरनेश अग्रवाल ,अधिराज कुमार , शिवांश पांडे

शिक्षक प्रभारी- सुश्री कनिका (इवेंट: डिस्प्ले), सुश्री नीरी भागी (इवेंट- टेकसिनर्जी- अत्याधुनिक रोबोटिक्स के साथ अग्रणी सामाजिक परिवर्तन)

बाजरा उत्सव

2 दिसंबर 2023, शनिवार" कक्षा 3 के बच्चों ने 'बाजरा उत्सव' विषय पर एक शानदार कार्यक्रम प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का उद्देश्य खेती के तरीकों, कृषि लाभों और कृषि में स्थिरता को बढ़ावा देने में बाजरा की भूमिका की व्यापक समझ प्रदान करना था। इसने बाजरा के बहुमुखी पहलुओं और भारत में उनके महत्व पर भी प्रकाश डाला।इसके बाद, मुख्य प्रस्तुति प्रदर्शित की गई जिसमें बच्चों ने भारत में चार प्रमुख राज्यों - उत्तराखंड, राजस्थान, मेघालय और तमिलनाडु में बाजरा की खेती पर एक नाटक प्रस्तुत किया। इसमें पोषण संबंधी लाभों के कारण घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में बाजरा की बढ़ती मांग पर भी चर्चा की गई।

इन सभी राज्यों पर डांस परफॉर्मेंस, मिलेट सॉन्ग और योगा प्रेजेंटेशन ने शो में चार चांद लगा दिए। कार्यक्रम का समापन प्रिंसिपल मैम के उत्साहवर्धक और प्रेरक शब्दों के साथ हुआ। उन्होंने बच्चों को प्रेरित करने के लिए अपना बहुमूल्य समय देने और बच्चों के साथ-साथ स्कूल के लिए एक बड़ा समर्थन बनने के लिए माता-पिता को धन्यवाद दिया। उन्होंने भारत के दुनिया में बाजरा का सबसे बड़ा उत्पादक होने जैसे प्रासंगिक विषय को प्रस्तुत करने के लिए बच्चों को बधाई दी।

सीबीएसई जोनल शतरंज टूर्नामेंट 2023

19 से 21 अक्टूबर 2023 तक बाल भवन पब्लिक स्कूल मयूर विहार फेज 2 में सीबीएसई जोनल शतरंज टूर्नामेंट 2023 का आयोजन हुआ ऐमिटी मयूर विहार स्कूल की U11 लड़कियों की टीम ने दूसरा उपविजेता का पुरूस्कार प्राप्त किया , 11 लड़कों की टीम और 14 लड़कों की टीम ने 100 स्कूलों में से 10वां स्थान हासिल किया। कातिके त्यागी कक्षा बाहरवीं के विद्यार्थी इस टूर्नामेंट में अजेय रहे और उन्होंने अपने बोर्ड नंबर 4 पर सभी मैच जीते।

आयोजन: यूथ आइडियाथॉन 2023
(Youth Ideathon 2023)

एमिटी इंटरनेशनल स्कूल, मयूर विहार को आईआईटी दिल्ली में यूथ आइडियाथॉन 2023 में प्रतिभा दिखाने का मौका मिला। कक्षा सातवीं के छात्रों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर अपना प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया, जिसे निर्णायक मंडल ने काफी सराहा, जिसके लिए छात्रों को सिल्वर मेडल और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।

आरएसजीएफ, जापान 2023 में सर्वश्रेष्ठ नए नवाचार का पुरस्कार
(Best new innovation award at RSGF, Japan 2023)

अवनी ड्रोलिया (ऐमिटी मयूर विहार) ने जापान के रित्सुमीकन स्कूल द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय मंच, रित्सुमीकन सुपर ग्लोबल फोरम 2023 में भाग लिया। इस फोरम में 12 देशों के 16 स्कूलों ने भाग लिया, जिसमें अवनी ड्रोलिया ने अपने मिश्रित विषय समूह का नेतृत्व किया और अपने उत्पाद "प्योर साइट" (दृष्टिबाधित लोगों के लिए स्मार्ट इको फ्रेंडली चश्मा) के लिए डिजाइन और इनोवेशन प्रतियोगिता में अपनी टीम के सदस्यों के साथ सर्वश्रेष्ठ इनोवेशन का पुरस्कार जीता।

ए टी एल उत्सव 'कॉनफ्लुएंस 2023'

एमिटी इंटरनेशनल स्कूल मयूर विहार ने 28 नवंबर 2023 को स्कूल परिसर में इंटर-स्कूल एटीएल फेस्ट 'कॉन्फ्लुएंस 2023' के दूसरे संस्करण का आयोजन किया। दिल्ली और एनसीआर के 22 स्कूलों के कक्षा V से XII के 282 छात्रों ने सीनियर और जूनियर श्रेणियों में 11 बेहद प्रतिस्पर्धी तकनीकी कार्यक्रमों में भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन स्कूल की आईटी सोसायटी, मेटावर्स के सदस्यों द्वारा किया गया था और इसका उद्देश्य प्रतिभागियों की 'आउट ऑफ द बॉक्स' सोच और तकनीकी कौशल का प्रदर्शन करना था। इस कार्यक्रम में एमिटी चिल्ड्रेन्स साइंस फाउंडेशन के प्रमुख डॉ. ललित मित्तल और द ग्रोथ वाइब्स के संस्थापक श्री गौरव अग्रवाल की उपस्थिति सराहनीय थी |

ऐमिटी मयूर विहार की प्रधानाचार्या श्रीमती मीनू कंवर , एमिटी चिल्ड्रेन्स साइंस फाउंडेशन की सदस्य सुश्री एकता सोनी, नीति आयोग में अटल इनोवेशन मिशन टीम के सदस्य श्री सुमन पंडित, ईजीबी4 टेक्नोलॉजीज के सीओओ श्री रिज़ुल ठाकुर, श्री जतिन वशिष्ठ , जुआना टेक्नोलॉजीज में टीम लीड, श्री आयुष सिंघल, @CodeMate.ai के संस्थापक और सीईओ, और श्री सौमिक शाश्वत, चौथे वर्ष के छात्र सीएस + डिज़ाइन, आईआईआईटी दिल्ली ने संगम के उद्घाटन की घोषणा की जिसके बाद कार्यक्रम शुरू हुए।निर्णायकों ने ऐसे उत्साहवर्धक कार्यक्रम के आयोजन के लिए छात्रों और स्कूल के प्रयासों की सराहना की और सभी प्रतिभागियों को उनके प्रदर्शन के लिए बधाई दी। सभा को संबोधित करते हुए, डॉ. ललित मित्तल ने एआईएसएमवी की पूरी टीम को उनके प्रयासों और विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उपलब्धि हासिल करने के लिए बधाई दी।

ए टी एल फेस्ट

6 दिसंबर 2023 टिंकरर्स एटीएल फेस्ट एंबिएंस पब्लिक स्कूल, सफदरजंग एन्क्लेव में मनाया गया जहां कई स्कूलों ने भाग लिया था।
पेपर सर्किट, ऐप डिजाइनिंग और वेब डिजाइनिंग नामक कुल 3 कार्यक्रम थे जिनमें हमारे स्कूल के छात्रों ने भाग लिया। इन आयोजनों में से, हमारे छात्रों ने "पेपर सर्किट" और "वेब डिजाइनिंग" नामक 2 आयोजनों में पुरस्कार जीते थे। जीते गए पुरस्कारों का विवरण इस प्रकार है:

1. इवेंट: पेपर सर्किट - प्रथम पुरस्कार
भवदीप सिंह (कक्षा 4ए); शिक्षक प्रभारी: सुश्री सुप्रीत कौर
2. इवेंट: पेपर सर्किट- II पुरस्कार
शौर्य चावला (कक्षा 11सी)

ऐमिटी मयूर विहार के कक्षा नौवीं के छात्र 3 दिसम्बर से 8 दिसम्बर तक ACC कैम्प के लिए मानेसर गए और वहाँ उन्होंने अनेक गतिविधियों में भाग लिया।

अलारिको म्यूजिक मीट (Alarico Music Meet)

टीम क्रेस्केंडो(ऐमिटी मयूर विहार) ने 12 अक्टूबर 2023 को एग्नेल स्कूल "Fr. Agnell School" में आयोजित अलारिको म्यूजिक मीट 2023 की बैंड श्रेणी में प्रतिस्पर्धा की।कक्षा 8वीं - 11वीं के छात्र इसमें प्रतिभागी थे | एग्नेल स्कूल और हमारे स्कूल बैंड ने गायक के रूप में हर्षल शर्मा, की बोर्ड , अनिका जैन, गिटारवादक के रूप में स्पर्श वर्मा, बेस पर तारिणी अरोड़ा और ड्रम बजाते हुए वेदांश मित्रा ने अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए शानदार प्रदर्शन किया| बैंड श्रेणी में प्रथम स्थान पाने वाले प्रतिभागी -

सर्वश्रेष्ठ कीबोर्डिस्ट - अनिका जैन - कक्षा आठवीं ,
सर्वश्रेष्ठ गिटारवादक - स्पर्श वर्मा - दसवीं कक्षा ,
सर्वश्रेष्ठ ड्रमर - वेदांश मित्रा - कक्षा नवीं

ऐमिटी मयूर विहार के परिसर शरद कालीन मेले का आयोजन

23 दिसम्बर 2023 को ऐमिटी मयूर विहार के परिसर में शरद कालीन मेले का आयोजन हुआ जिसमें छात्रों के मनोरंजन के लिए विद्यालय ने भरसक प्रयास किया। छात्रों ने खाने पीने की स्वादिष्ट चीज़ों के साथ साथ , झूले , खेल, नृत्य संगीत , नेलपेंट, टैटू , फेस पेंटिंग , ऊँट की सवारी एवं का भी लुत्फ़ उठाया।